कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY-008

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

एम.जे.वाई.-008 : फल-विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

3×20=60

1. भाव परिचय के क्रम में कुण्डली के बारह भावों के लक्षण और उदाहरण की विवेचना कीजिए।

2. मेष तथा वृष राशियों के द्वादश भावों में घटित होने वाले फल-विचार का वर्णन कीजिए।

3. द्वादश भावों में सिंह तथा कन्या राशि के जातकों के फलाफल का वर्णन कोजिए।

4. ग्रहफल विवेचन के क्रम में द्वादश-भावगत सूर्य तथा चन्द्रमा के फलों का विवेचन कीजिए।

5. मंगल तथा बुधग्रह का बारह भावों में अलग-अलग क्या फल होता है ? वर्णन कीजिए।

6. पठित अंश के आधार पर केतुग्रह के बारह भावों पर होने वाले प्रभावों का वर्णन कीजिए।

खण्ड-ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। $4 \times 10 = 40$

7. जन्मांग चक्र के बारह भावों में मिथुन राशि के फल का वर्णन कीजिए।

8. बृहस्पति ग्रह का द्वादश भावों में क्रमशः क्या फल होता है ? वर्णन कीजिए।

9. चतुर्थ, पञ्चम, षष्ठ, सप्तम एवं द्वादश भावगत शनि के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

10. तनुभाव से सम्बन्धित विषयों के विचार का उल्लेख कीजिए।

11. धनभाव क्या है ? इस भाव के फलाफल का वर्णन कीजिए।

12. विद्याबुद्धि का विचार किन भावों से किया जाता है ? वर्णन कीजिए तथा किस ग्रह के बलवान होने पर जातक विद्याबुद्धि सम्पन्न होता है, उल्लेख कीजिए।

13. शत्रु-विचार तथा रोग-विचार विषयक मतों का उल्लेख कीजिए।

14. दाम्पत्य का विचार किन भावों से होता है ? सोदाहरण वर्णन कीजिए।